>

Title: Need to include Bharatpur district in Rajasthan in Braj tourist circuit.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): मेरा संसदीय क्षेत्र भरतपुर राजस्थान का पूर्वी सिंह द्वार है। भरतपुर में प्राचीन काल व द्वापर युग में निर्मित कई धार्मिक स्थल व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा की गई क्रीडाओं के धार्मिक चिन्ह आज भी श्रद्धालुओं व पर्यटकों को उनकी धार्मिक आस्था से जोड़े हुए हैं। यहां पर विश्व स्तरीय धरोहर एवं राष्ट्रीय पक्षी अभ्यारण्य स्थित है। जहां पर लाखों विदेशी एवं देशी लोग आगरा घूमने आते हैं वह पक्षियों का विचरण देखने हेतु इस अभ्यारण्य जरूरत आते हैं। भरतपुर, डीग, बयाना, वैर के किले व अन्य महतवपूर्ण स्थल व धरोहरे एवं सुजानगंगा-भरतपुर के लोकप्रिय शासकों द्वारा भरतपुर में किला, सुजानगंगा-डीग में जलमहल व किला, बयाना में किला, वैर में किला व फुलवारी विश्व प्रसिद्ध धरोहरों का निर्माण करवाया गया था। यह सभी इमारतें विश्व में अपनी विशेष निर्माण कला एवं महत्वपूर्ण इतिहास के लिए प्रसिद्ध हैं। बयाना का किला तो तत्कालीन शासक बाणासुर द्वारा द्वापर युग में बनाया गया जो अभी भी ऊषा मंदिर के साथ अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं। परंतु इन किलों का समुचित रखरखाव नहीं हो रहा है। इन किलों में 40 बीघा में विशेष फुलवारी बनी हुई है जिसमें विशेष प्रकार के फव्वारे कार्यरत है। इसी किले में खानवा के प्रसिद्ध मैदान ऐतिहासिक धरोहर के रूप में आज भी विद्यमान है जहां पर राणासांगा व बाबर का ऐतिहासिक महत्वपूर्ण युद्ध हुआ था। यहां सम्राट अकबर महान की ऐतिहासिक धरोहर बरादरी एवं तालाब भी विद्यमान है। इसी जिले में ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा का स्थान है जहां पर भगवान श्रीकृष्ण की क्रीडाओं से एवं लीलाओं से भरतपुर आनन्दित होता रहा है। इस जिले की डीग तहसील में सर्वपूज्य श्री गिरिराज महाराज की परिक्रमा मार्ग में आता है। सदन को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि यूनेस्को ने 4 साल पूर्व भरतपुर को नेटवर्क ऑफ सिटी के रूप में चयनित किया है।

सरकार से अनुरोध है कि वह उपरोक्त तथ्यों के आधार पर भरतपुर को पर्यटन ब्रज सर्किट जिला घोषित किया जाए।